150th SWAMI VIVEKANAND JAYANTHI (NATIONAL YOUTH DAY)

Date: Friday, 11-Jan-2013

Venue: FMS, Auditorium

Press Clippings: 12-Jan-2013

MORNING INDIA
Saturday, 12 January
Ranchi, 2012

IUJ Celebrates national youth day

Ranchi: The ICFAI University Jharkhand (IUJ) celebrates Youth Day on the eve of birth anniversary of Swami Vivekananda. Delivering the Chief Guest lecture, Swami Shashankanand ji, Administrative Head of the IRTDM Faculty Centre & Secretary, Rama Krishna Math Ashrama, Ranchi highlighted that modern cultures are making the human being restless. He urged the youth to serve the nation and reestablish our rich culture.

Shahid Hassan, Department of Psychology, Ranchi University presided over the function as Guest of honour and talked about the relevance and importance of the philosophy of Swamiji in maintaining communal harmony in today's world.

ORS Rao, Vice Chancellor of the University, recalled the words of Swami Vivekanda on Education "Education is not the amount of information that is put into your brain and runs riot there, undigested all your life. We want that education by which character is formed, strength of mind is increased, intellect is expanded and by which one can stand on one's own feet".

capital 03
the pioneer
RANCHI | SATURDAY | JANUARY 12, 2013

ICFAI VARSITY CELEBRATES NATIONAL YOUTH DAY

The ICFAI University Jharkhand celebrated Youth Day on birth anniversary of Swami Vivekananda on Friday. The chief guest Swami Shashankanand, Administrative head of the IRTDM and faculty Centre & Secretary, Rama Krishna Math Ashrama, Ranchi highlighted that modern culture is making human beings restless. He urged the youth to serve the nation and reestablish rich culture. The guest of honour Shahid Hassan, Department of Psychology, RU, talked about the relevance and importance of his philosophy.

स्वामी विवेकानंद जयंती आज, कई संस्थानों में होंगे कार्यकम, गुरुनानक स्कूल में 'युवा दिवस' के रूप में मनाया गया स्वामी जी का जन्म दिवस

'स्वामी जी से राष्ट्र बचाने का संकल्प लें युवा'

स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती पर शुक्रवार को राजधानी के विभिन्न संस्थानों में स्वामी जी याद किए गये। शनिवार को भी कई स्कूलों और कॉलेजों में कार्यक्रम का आयोजन होगा।

रांची | संवाददाता

इक्फाई विवि झारखंड (आइयूजे) में स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती मनाई गई। मौके पर अतिथियों ने स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आरके मिशन के सचिव स्वामी शशंकानंद जी ने कहा कि आधुनिक संस्कृति ने मानव जीवन को रेस्टलेस कर दिया है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र को बचाने और भारतीय संस्कृति को धनी बनाने की अपील की। इस मौके पर शिक्षा और पर्सनल वैल्यू को लेकर एमओयू भी किया गया।

मौके पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में स्वामी शशंकानंद ने पोस्टर प्रतियोगिता की प्रथम विजेता ज्योति कुमारी, द्वितीय स्वाति नारायण और तृतीय स्वाति सुमन को पुरस्कृत किया। इससे पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने छात्रों को स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इनके बताए मार्ग चलकर ही जीवन का लक्ष्य साधा जा सकता है।

इक्फाई विवि मे स्वामी विवेकानंद जयंती पर आयोजित कार्यशाला में विचार व्यक्त करते रामकृष्ण मिशन के स्वामी शशंकानंद जी। • हिन्दुस्तान

गुरुनानक स्कूल के बच्चों ने मनायी विवेकानंद जयंती

गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती 'युवा दिवस' के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विवेकानंद के उपदेश, स्लोगन, क्विज, भाषण प्रतियोगिता के साथ-साथ उनके जीवन पर आधारित एक लघु नाटिका को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में स्वामी जी की जयंती के उपलक्ष्य में स्वामी विवेकानंद की वाणी नाम की पुस्तिका का विमोचन किया गया। जो मुख्य अतिथि गुरुनानक अस्पताल व रिसर्च सेंटर के शिक्षक डॉ. सतीश मिढ़ा द्वारा 500 बच्चों को बांटी गई। मौके पर प्राचार्य डॉ. मनोहर लाल, प्राधानाध्यापिका नीना दास व सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

युवा कन्वेंशन में भाग लेंगे सुप्रियो

इंटरनेशनल काउंसिल फॉर यूथ एंड स्टूडेंट का दो दिनी कन्वेंशन राउरकेला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित किया गया है। झारखंड से इस कन्वेंशन में भाग लेने झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य भी गए हैं। देश-विदेश से बड़ी संख्या मेंप्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

आज कई कार्यक्रम

जिला स्कूल परिसर मे स्वामी विवेकानंद की 150 जयंती मनाई जाएगी। जिला शिक्षा कार्यालय की ओर से आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि उपायुक्त विनय चौबे होंगे। इसमें जिला स्कूल के बच्चों को स्वामी विवेकानंद के उपदेशों पर अमल करने और झारखंड के विकास तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शपथ दिलाई जाएगी।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल में प्रार्थना के समय बच्चों द्वारा स्वामी जी के लिए प्रेरक प्रसंग का उच्चारण और कई स्लोगन लिखे जाएंगे। निबंध व चित्रांकन प्रतियोगिता होगी।

कैम्ब्रियन पब्लिक स्कूल में कक्षा पांच के बच्चे ड्रामा प्रस्तुत करेंगे। स्वामी जी का वेश धरकर शिकागो के प्रसिद्ध भाषण प्रस्तुत करेंगे।

महर्षि मेंहीं कल्याण केंद्र: सुखदेव नगर स्थित केंद्र के कार्यालय में दिन के दो बजे से वर्तमान संदर्भ में स्वामी विवेकानंद की प्रासंगिकता पर गोष्ठी का आयोजन होगा।

स्वामी विवेकानंद : एक आदर्श पथ प्रदर्शक

स्वामी विवेकानंद में बचपन से ही असाधारण प्रतिभा के धनी थे। वाद-विवाद, आलोचना सभाओं में वे सूर्य की भांति जगमगाते थे। कॉलेज के अध्यापक विलियम हेस्टी उनकी प्रतिभा में मुग्ध होकर कहा करते थे, नरेंद्र सचमुच ही एक जीनियस है। भूगोल की कक्षा में नरेंद्रनाथ ने सही जवाब दिया था, परंतु शिक्षक को लगा कि उनका उतर गलत है। नरेंद्र ने बार-बार प्रतिवाद किया, मुझसे भूल नहीं हुई, मैंने ठीक ही उतर दिया है। परंतु इससे शिक्षक क्रोधित हो नरेंद्र को पीटने लगे। घर लौटकर नरेंद्रनाथ ने रोते-रोते मां को सारा हाल सुनाया। मां ने सांत्वना देते हुए कहा, पुत्र, यदि तुम से कोई भूल न हुई हो, तो जो तुम सत्य समझते हो, उसी पर सर्वदा अडिग रहना। मां के इस उपदेश को नरेंद्र ने श्रीरामकृष्ण के स्वरूप में पाया था।

सत्यवादी एवं न्याय प्रिय : एक दिन स्कूल में बातचीत से छात्रों की बातचीत से खफा नरेंद्र के शिक्षक ने उनसे प्रश्न पूछा, नरेंद्र ने सभी सही उत्तर दे दिए। शिक्षक ने पूछा, इतनी देर तक कौन बातें कर रहा था? सभी ने नरेंद्र की ओर इशारा किया। शिक्षक को विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने नरेंद्र को छोड़कर बाकी सब लड़कों को खड़े रहने का दंड दिया। सभी के साथ नरेंद्र भी उठ खड़े हुए, शिक्षक ने कहा: तुम्हें खड़े होने की जरूरत नहीं। नरेंद्र ने कहा: 'नहीं, मुझे भी खड़ा होना है, क्योंकि मैं ही तो बातें कर रहा था।' और वे खड़े रहे।

निर्भीक : दुर्गा मंदिर लौटने के दौरान बंदरों ने स्वामी जी का पीछा किया। वह भागने लगे, बंदर भी पीछे दौड़े। तभी एक वृद्ध संन्यासी ने स्वामी जी को पुकार कर कहा: 'रुको, उन जानवरों के सामने धैर्य से खड़े रहो।' स्वामी जी साहस जुटा कर खड़े हुए। बंदर पहले सहसा रुक गए, फिर दुम दबाकर भाग गए। इस घटना से स्वामी जी को जीवन की एक महत्वपूर्ण शिक्षा मिली। विघ्न बाधाओं को देखकर कभी भागना नहीं चाहिए।

विलक्षण एकाग्र चित्त : स्वामी जी अध्ययन करना बेहद पसंद करते थे। एक गुरु भाई प्रतिदिन एक स्थानीय पुस्तकालय से उनके लिए किताब ले आते थे। स्वामी जी एक ही दिन में खत्म कर देते थे। इसलिए प्रतिदिन ही

स्वामी विवेकानंद।

उस किताब को लौटाकर दूसरी किताब लानी पड़ती थी। इसपर लाइब्रेरियन स्वामी जी से कई विषयों पर प्रश्न पूछे। उन्होंने सब प्रश्नों के उपयुक्त उतर दिए। यह देखकर उनके विस्मय की सीमा नहीं रही।

अद्वितीय देशभक्त : विदेश से लौटते समय एक अंग्रेज दोस्त ने स्वामी जी से प्रश्न किया था कि विदेश में चार वर्ष गुजारने के पश्चात उनकी मातृभूमि उन्हें कैसे लगेगी? उन्होंने उतर दिया भारत का एक-एक धूलकण मेरे लिए पवित्र है। भारत मेरी पुण्यभूमि है: मेरा तीर्थ स्थान है।'

प्रस्तुति: स्वामी शशंकानंद,
रामकृष्ण मिशन आश्रम

आधुनिक युग के स्वपनद्रष्टा स्वामी विवेकानंद

युवाओं के प्रेरणास्रोत

◆ आज मनेगा जन्म दिवस

रांची : स्वामी विवेकानंद आज भी देश की युवाओं के प्रेरणास्रसेत हैं। आज ही के दिन 1863 को कोलकाता में उनका जन्म हुआ था। वेदांत के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु विवेकानंद का वास्तविक नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था। इनके पिता विश्वनाथ दत्त कलकत्ता हाईकोर्ट के एक प्रसिद्ध वकील थे। पाश्चात्य सभ्यता के हिमायती पिता अपने पुत्र नरेन्द्र को भी अंग्रेजी पढ़ाकर पाश्चात्य सभ्यता के ढर्रे पर चलाना चाहते थे। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

उनका संपर्क रामकृष्ण परमहंस से हुआ। इसके बाद तो वे पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे निरंतर अपने गुरु की सेवा में उपस्थित रहे और उनके विचारों को फैलाने के लिए देश-दुनिया का भ्रमण किया।उन्हें ख्याति अमेरिका स्थित शिकागो में सन् 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व करने से मिली। भारत का वेदांत अमेरिका और यूरोप के हर एक देश में स्वामी विवेकानंद की वक्तृता के कारण ही पहुंचा। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। सही अर्थों में विवेकानंद बड़े स्वप्नद्रष्टा थे। उन्होंने एक नए समाज की कल्पना की थी, ऐसा समाज जिसमें धर्म या जाति के आधार पर मनुष्य-मनुष्य में कोई भेद नहीं रहे।

मनी 150वीं जयंती: गुरूनानक हायर सेकेंडरी स्कूल में स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाया गया। उनके उपदेशों व स्लोगनों को पुष्पों व गुब्बारों से सजाया गया। छात्रों ने स्वामी विवेकानंद के उपदेश, उनकी शिक्षा, उनके जीवन पर आधारित क्विज प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता व लघु नाटिका का प्रस्तुतिकरण किया गया। विद्यालय के प्राचार्या नीनादास सहित अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुजाता कौर, दलजीत सहानी, रविंद्र व श्वेता ने किया।

युवा सम्मान समारोह आज : स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर शनिवार को बरियातू स्थित आरोग्य भवन में युवा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। सुबह 8.30 बजे स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा में माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी।

इक्फाई विवि में शुक्रवार को युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। मौके पर स्वामी शशांकानंद ने बताया कि कैसे आधुनिक संस्कृति समाज में विकृति ला रहा है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र सेवा की बात कही। कहा, युवा समृद्ध संस्कृति को पुन: स्थापित करें। डॉ. शाहिद हसन ने स्वामी विवेकानंद के दर्शन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

खुलेंगे एकल विद्यालय

रांची : स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती पर एकल अभियान एक लाख एकल विद्यालय पूरे देश में खोलने का लक्ष्य पूरा करेगा। झारखंड में जयंती वर्ष में 1,50,000 बच्चों को शिक्षित करने, 150 मेडिकल कैंप के माध्यम से डेढ़ लाख मरीजों की चिकित्सा, कुपोषण की समस्या को समाप्त करने के लिए 1500 पोषण वाटिका व स्वाभिमान जागरण की ओर से 1500 आरटीआइ का आवेदन व 15000 ग्रामीणों को सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलवाया जाएगा। यह निर्णय एकल विद्यालय की झारखंड प्रांत की प्रांतीय कार्यकर्ता टोली की बैठक में लिया गया। केंद्रीय अधिकारी ललन कुमार शर्मा, कमलाकांत झा, लालमोहन महतो, दिलीप महतो, जीतु पाहन सहित जिलों के प्रमुख थे।

शपथ ग्रहण समारोह आज : स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर 12 जनवरी को मोरहाबादी स्थित फुटबॉल स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसकी सफलता को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी महीप कुमार सिंह ने अपने स्तर से तैयारी पूरी कर ली है।

प्रभात खबर
रांची, शनिवार
12 जनवरी, 2013 | 05

आधुनिक संस्कृति समाज में विकृति पैदा कर रही है

इक्कफाइ विवि में आयोजित कार्यक्रम में बोलते स्वामी शशांकानंद. फोटो । प्रभात खबर

रांची ■ रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी शशांकानंद ने कहा है कि आधुनिक संस्कृतियां मानव समाज में कई विकृतियां पैदा कर रहा है. राष्ट्र की सेवा तथा अपने देश की समृद्ध संस्कृति को पुनः स्थापित करने की जरूरत है. स्वामी शशांकानंद शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती की पूर्व संध्या पर इक्कफाइ विवि में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे. रांची विवि मनोविज्ञान के वरीय प्राध्यापक प्रो शाहिद हसन ने कहा कि आज की दुनिया में सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने में स्वामी विवेकानंद के दर्शन की जरूरत है. स्वामी विवेकानंद धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक थे. इससे पूर्व विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति का चरित्र गठन होता है.

मौके पर विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, प्रबंधन शिक्षा के लिए विवि व आरके मिशन के बीच एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुआ. विवि में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल ज्योति कुमारी (एमबीए) को पहला पुरस्कार, स्वाति नारायण (बीबीए) को द्वितीय व स्वाति सुमन (एमबीए) को तीसरा पुरस्कार दिया गया.

स्वामी विवेकानंद जन्मोत्सव | पूर्व संध्या पर इक्फाई विवि में कार्यक्रम

अपनी संस्कृति अपनाएं : स्वामी

भास्कर न्यूज | रांची

पाश्चात्य संस्कृति हमारे समाज में विकृति पैदा कर रही है। इससे निजात पाना है तो युवाओं को भारतीय संस्कृति अपनानी होगी। ये बातें रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी शशांकानंद ने कहीं। वे शुक्रवार को इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड की ओर से स्वामी विवेकानंद जयंती की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे।

शशांकानंद ने युवाओं से देश के लिए स्वयं को समर्पित करते हुए समृद्ध भारतीय संस्कृति को पुनः स्थापित करने की अपील की। डॉ. शाहिद हसन ने दुनिया में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने में स्वामी जी के दर्शन की प्रासंगिकता और महत्व की बात कही। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. बीएम सिंह, डॉ. केके नाग और स्टूडेंट्स सहित कई लोग मौजूद थे।

शिक्षा से होता है चरित्र निर्माण : प्रो. ओआरएस राव

इक्फाई यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि शिक्षा से चरित्र का निर्माण होता है। आज हिंसा और अपराध बढ़े हैं, इसका समाधान स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा देकर ही हो सकता है।

कार्यक्रम में बोलते स्वामी शशांकानंद जी और अपनी प्रस्तुति देते स्टूडेंट्स(इनसेट में)।

इक्फाई ने रामकृष्ण मिशन के साथ किया करार

इक्फाई विवि ने रामकृष्ण मिशन आश्रम के साथ करार किया। इसमें व्यक्तिगत मूल्यों पर मिशन की ओर से छात्रों को शिक्षण, प्रशिक्षण और परामर्श दिया जाएगा।

प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत : स्टूडेंट्स के लिए पोस्टर प्रतियोगिता हुई। इसमें ज्योति कुमारी, स्वाति नारायण और स्वाति सुमन को पुरस्कृत किया गया।

शहर में कई कार्यक्रम आज

रांची | शहर में 12 जनवरी को कई कार्यक्रम होंगे। सार्द्धशती आयोजन समिति सुबह नौ बजे सर्कुलर रोड स्थित महेंद्र प्रसाद महिला कॉलेज से शोभायात्रा निकालेगी। इसमें झांकियां और ध्वज रहेंगे। इसके बाद मोरहाबादी मैदान में कार्यक्रम होंगे। जगन्नाथनगर कॉलेज, धुर्वा में भी कार्यक्रम होगा। बहावलपुरी पंजाबी समाज, विवेकानंद अस्पताल एवं विवेकानंद यूथ क्लब श्रीकृष्ण नगर कॉलोनी के तत्वावधान में कॉलोनी में कार्यक्रम होगा। विकास भारती बिशुनपुर की ओर से बरियातू रोड स्थित संस्था के परिसर में सुबह 8.30 बजे से कार्यक्रम होगा। प्रभातफेरी निकलेगी व मोरहाबादी में कार्यक्रम होगा।

गुरुनानक स्कूल में युवा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

रांची। गुरुनानक हायर सेकेंड्री स्कूल में स्वामी विवेकानंद जयंती की पूर्व संध्या पर युवा दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्टूडेंट्स के बीच स्वामी जी के उपदेश, शिक्षा और जीवन पर आधारित क्विज और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्टूडेंट्स ने एक लघु नाटिका का भी मंचन किया। मुख्य अतिथि डॉ. सतीश मिढ्ढा ने स्टूडेंट्स से कहा कि वे स्वामी जी के आदर्शों का अनुशरण करें। इस मौके पर डॉ. मिढ्ढा ने स्वामी जी की पुस्तक स्वामी विवेकानंद की वाणी की 500 प्रतियां छात्रों के बीच वितरित कीं। प्राचार्य डॉ. मनोहर लाल ने भी स्टूडेंट्स को स्वामी की जीवनी बताई। इस मौके पर दलजीत साहनी, रवींद्र कौर, बेनु सयाल, अलका चौधरी, दिव्य प्रीत कौर और श्वेता सहित अन्य उपस्थित थे।

जगह-जगह से निकाली जाएंगी शोभायात्राएं

रांची | स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती पर शनिवार को शहर के 13 विभिन्न मार्गों पर शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें स्वामी जी की प्रतिकृति में बच्चे शामिल होंगे। साथ ही बैनर, पोस्टर, पताका, रथ, मोटर साइकिल रहेंगे। सुबह नौ बजे नामकुम बाजार, रेलवे स्टेशन हटिया, चुटिया शिशु मंदिर, महेंद्र प्रसाद महिला कॉलेज, आरोग्य भवन, बिरला सेनेटोरियम, हरमू पंच मंदिर, धुर्वा बस स्टैंड, बिरला मैदान, राजेंद्र चौक, रानी बागान, सीसीएल गेट और गुरुनानक नगर चौराहा से महिला, पुरुष व बच्चे प्रभातफेरियां निकालेंगे। दस बजे तक सभी मोरहाबादी मैदान पहुंचेंगे। वहां एक घंटे तक सामूहिक कार्यक्रम होगा।